BSES

बिजली की मांग हुई 4668 मेगावॉट, बने नए रेकॉर्ड

नई दिल्ली: 21 जून, 2010। तापमान बढ़ने के मामले में यह साल रोज नए रेकॉर्ड बनाता जा रहा है। उत्तर भारत के इतिहास में इस साल के पहले चार महीने सबसे गर्म महीनों में शुमार किए जा रहे हैं। अगर स्थिति यही रही, तो साल 2010 इतिहास का सबसे गर्म साल साबित हो सकता है।

चिलचिलाती गर्मी की वजह से आज बिजली की मांग ने एक नया रेकॉर्ड बना डाला। आज दोपहर 3 बजकर 34 मिनट पर बिजली की मांग पहुंचकर 4668 मेगावॉट हो गई। यह दिल्ली के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक मांग है। इससे पहले, 24 मई को भी बिजली की मांग काफी बढ़ गई थी और यह 4581 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। पिछले साल 8 जुलाई को दिल्ली में बिजली की मांग ने 4408 मेगावॉट पर पहुंचकर एक नया रेकॉर्ड बनाया था।

2009 में जून महीने में सर्वाधिक मांग पहुंची थी 4337 मेगावॉट, जून 2008 में 3822 मेगावॉट और जून 2007 में 4030 मेगावॉट।

इस साल जून में दिल्ली में बिजली की सर्वाधिक मांग इस तरह रही:

तारीख	मांग (मेगावॉट)
June 1	4443
June 3	4502
June 5	4298
June 17	4211
June 18	4356
June 20	4221

पिछले सालों में दिल्ली में बिजली की सर्वाधिक मांग:

साल	सर्वाधिक मांग (मेगावॉट)
जून 21	4668
2010 (मई 24)	4581
2009	4408
2008	4034
2006	3626
2005	3490
2004	3289
2003	3097
2002	2879
2001	2831
1981	563
1971	259
1961	86
1951	27

दिल्ली में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत सालाना 1615 यूनिट है, जबकि हमारा राष्ट्रीय औसत है प्रति व्यक्ति सालाना 606 यूनिट। दिल्ली में बिजली की खपत भारत के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगने से भी अधिक है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपना सैंक्शंड लोड बढ़वाएं। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर और गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में बिजली कंपनियों को मदद मिलेगी और ब्रेकडाउन भी कम होंगे। हालांकि बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की है, लेकिन उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे समझदारी से बिजली का उपयोग करें।